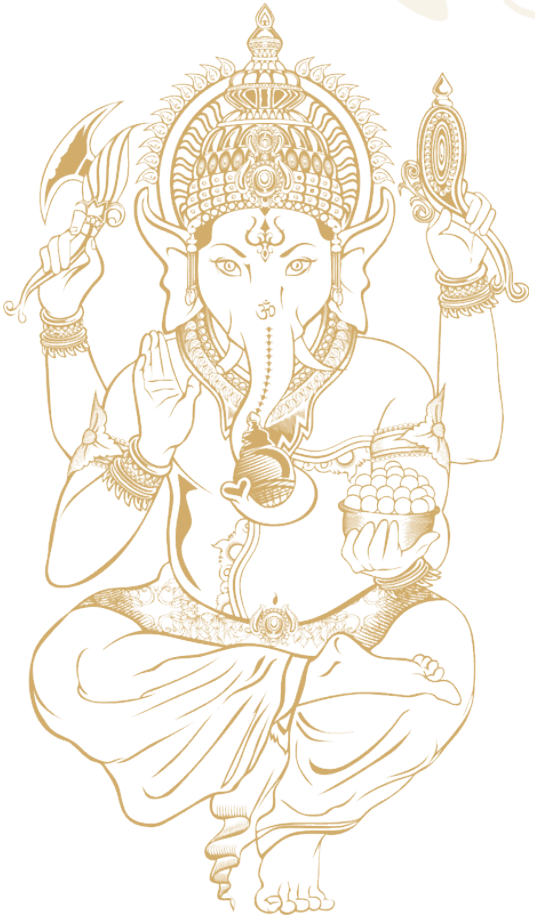

Vishal Bharati

26 Sep 1984

10:00 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121854507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/09/1984**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	40:49:33 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:08:39 घंटे
साम्पातिक काल	22:32:39 घंटे
सूर्योदय	05:40:10 घंटे
सूर्यास्त	17:42:05 घंटे
दिनमान	12:01:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:06:58 कन्या
लग्न के अंश	26:43:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:43:44	345:29:13	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कन्या	10:06:58	00:58:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			तुला	02:15:20	15:03:00	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल			धनु	00:32:33	00:40:09	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध			सिंह	28:53:28	01:47:27	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु			धनु	10:40:34	00:05:03	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			तुला	07:36:22	01:13:28	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	20:15:45	00:06:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	05:10:46	00:05:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:10:46	00:05:18	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	16:33:10	00:01:58	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप			धनु	05:05:32	00:00:33	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	07:18:29	00:02:13	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	12:45:33	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:23

लग्न-चलित

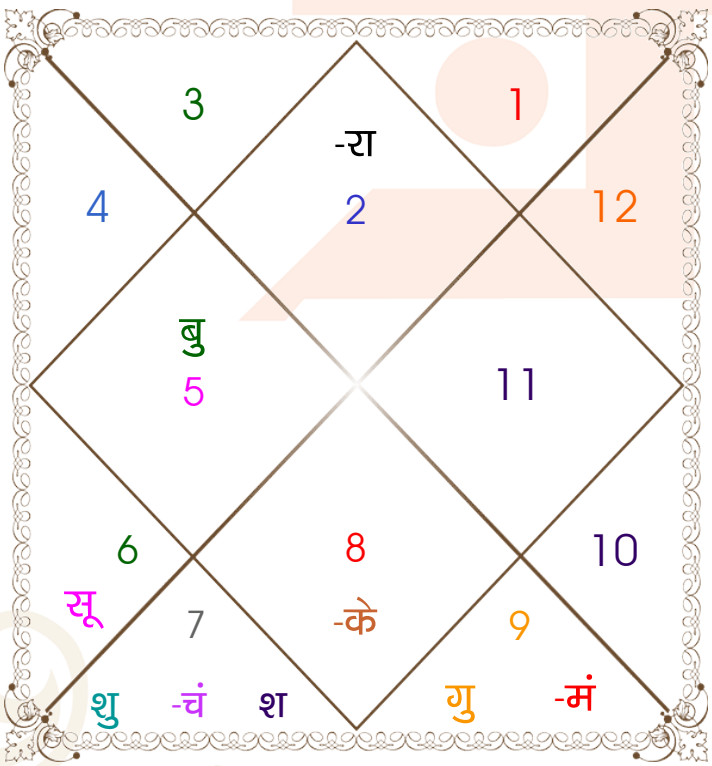

चन्द्र कुंडली

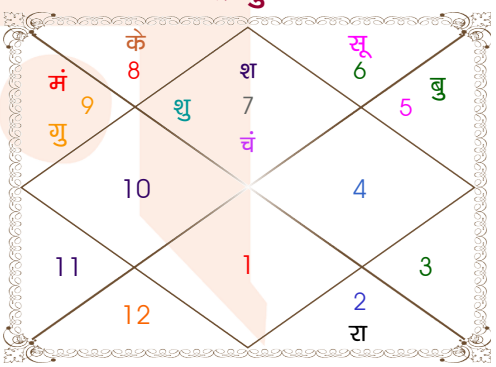

नवमांश कुंडली

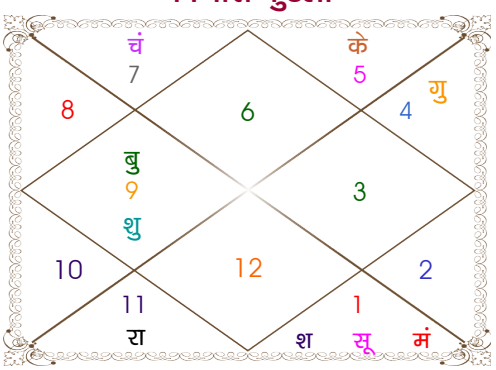

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 3 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/09/1984		20/01/1987		20/01/2005		20/01/2021		21/01/2040	
20/01/1987		20/01/2005		20/01/2021		21/01/2040		20/01/2057	
	00/00/0000	राहु	02/10/1989	गुरु	10/03/2007	शनि	24/01/2024	बुध	18/06/2042
	00/00/0000	गुरु	26/02/1992	शनि	20/09/2009	बुध	03/10/2026	केतु	15/06/2043
	00/00/0000	शनि	02/01/1995	बुध	27/12/2011	केतु	12/11/2027	शुक्र	15/04/2046
	00/00/0000	बुध	21/07/1997	केतु	02/12/2012	शुक्र	11/01/2031	सूर्य	20/02/2047
	26/09/1984	केतु	09/08/1998	शुक्र	03/08/2015	सूर्य	24/12/2031	चंद्र	21/07/2048
केतु	14/12/1984	शुक्र	09/08/2001	सूर्य	21/05/2016	चंद्र	24/07/2033	मंगल	18/07/2049
शुक्र	13/02/1986	सूर्य	03/07/2002	चंद्र	20/09/2017	मंगल	02/09/2034	राहु	05/02/2052
सूर्य	21/06/1986	चंद्र	02/01/2004	मंगल	27/08/2018	राहु	09/07/2037	गुरु	13/05/2054
चंद्र	20/01/1987	मंगल	20/01/2005	राहु	20/01/2021	गुरु	21/01/2040	शनि	20/01/2057

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/01/2057		21/01/2064		21/01/2084		20/01/2090		21/01/2100	
21/01/2064		21/01/2084		20/01/2090		21/01/2100		00/00/0000	
केतु	18/06/2057	शुक्र	22/05/2067	सूर्य	09/05/2084	चंद्र	20/11/2090	मंगल	19/06/2100
शुक्र	18/08/2058	सूर्य	21/05/2068	चंद्र	08/11/2084	मंगल	21/06/2091	राहु	07/07/2101
सूर्य	24/12/2058	चंद्र	20/01/2070	मंगल	16/03/2085	राहु	20/12/2092	गुरु	13/06/2102
चंद्र	25/07/2059	मंगल	22/03/2071	राहु	07/02/2086	गुरु	21/04/2094	शनि	23/07/2103
मंगल	21/12/2059	राहु	22/03/2074	गुरु	27/11/2086	शनि	21/11/2095	बुध	19/07/2104
राहु	08/01/2061	गुरु	20/11/2076	शनि	08/11/2087	बुध	21/04/2097	केतु	27/09/2104
गुरु	15/12/2061	शनि	21/01/2080	बुध	14/09/2088	केतु	20/11/2097		00/00/0000
शनि	23/01/2063	बुध	20/11/2082	केतु	20/01/2089	शुक्र	22/07/2099		00/00/0000
बुध	21/01/2064	केतु	21/01/2084	शुक्र	20/01/2090	सूर्य	21/01/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।